हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

5

जबलपुर, रविवार 20 जुलाई 2025

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

नवांकुर संस्था पड़रिया ने तैयार की नर्सरी

मण्डला। जन अभियान परिषद मंडला के जिला समन्वयक राजेंद्र चौधरी के निर्देशानुसार विकासखंड समन्वयक अनिल मेहरा के नेतृत्व में नवांकुर संस्था ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति पड़रिया सेक्टर नारायणगंज में कुंभेश्वर घाट में 2000 पौधों की नर्सरी तैयार की है जिसमें आम कांजी जामुन वाला कथा आदि बीजों का रोपण किया गया इस कार्यक्रम में राकेश अग्रवाल वीरेंद्र अग्रवाल चंद्रकला पटेल कृष्ण कुमार झारिया सुरेश सोनी ग्राम पंचायत के सरपंच अखिलेश मरावी ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष मूलाराम बर्मन सीएमसीएल डीपी की छात्रा अंजलि बर्मन एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं का सहयोग प्राप्त हुआ।

सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट ने की खेत तालाब और अरहर फसल की सराहना

मण्डला। निवास विकासखंड के भ्रमण के दौरान सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट ने ग्राम पंचायत जिल्हेटी में किए जा रहे विकास कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने हितग्राही सरिता बाई के खेत तालाब का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सीईओ जिला पंचायत कूमट ने खेत तालाब के निर्माण और उसके रखरखाव की सराहना की। उन्होंने तालाब की मेढ़ पर रोपी गई अरहर की फसल को देखकर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह किसानों के लिए आय बढ़ाने का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जहां जल संरक्षण के साथ-साथ कृषि उत्पादन को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने अन्य किसानों से भी सरिता बाई के इस सफल मॉडल से प्रेरणा लेने का आग्रह किया।

नामांतरण, बंटवारा तथा अभिलेख दुरूस्ती के प्रकरणों को प्राथमिकता से निपटाने निर्देश

क्यों नहीं मान रहे राजस्व अधिकारी

*** शिकायतकर्ता को ही धमकाना कितना उचित।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

पिछले लगभग एक वर्ष से लगातार जिला कलेक्टर द्वारा राजस्व अधिकारियों की बैठकें लेकर उन्हें निर्देशित किया जा रहा है कि नामांतरण, बंटवारा से लेकर अन्य कार्यो को समय पर पूरा किया जाये किसी भी हितग्राही को इसके लिये परेशान न होना पड़े शासन द्वारा जो समय-सीमा तय की गई है उसके अंदर ही कार्य संपन्न कर संबंधित को सूचित किया जाये और संबंधित दस्तावेज भी दिये जायें लेकिन हकीकत यह है कि आज भी बिना चढ़ौत्री के राजस्व विभाग के कथित भगवान प्रसन्न नहीं होते काम करना तो दूर की बात।

इसके साथ ही राजस्व विभाग में सीएम हेल्पलाईन की शिकायतों को गंभीरता से निराकरण करने को भी कहा जाता रहा है लेकिन अब जब दबाव ज्यादा बन रहा है तो शिकायतों का निराकरण न करके शिकायतकर्ता को किसी तरह आश्वासन देकर, समझाईश देकर या फिर डरा-धमकाकर शिकायत वापिस लेने को मजबूर किया जा रहा है। ऐसे में हम कैसे मान लें कि राजस्व विभाग शासन-प्रशासन की मंशा के अनुरूप कार्य कर रहा है।

आज फिर मिली हिदायत

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि राजस्व के मूल कार्यों पर विशेष ध्यान दें। नामांतरण, बंटवारा तथा अभिलेख दुरूस्ती के प्रकरणों को प्राथमिकता से निपटाएं। अभिलेख दुरूस्ती के लम्बित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने 3 माह से ज्यादा समय से लम्बित प्रकरणों के लिए संबंधित एसडीएम को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आरबीसी 6-4 के सभी प्रकरणों में 48 घंटे के भीतर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए थे। जिन प्रकरणों में समय सीमा में आवश्यक कार्यवाही नहीं की गई है। संबंधित प्रकरणों में तहसीलदारों पर जुर्माना लगाएं।

बैठक में बंटवारा से संबंधित प्रकरणों के विषय में कलेक्टर ने कहा कि जिले के सभी राजस्व न्यायालय में बंटवारे के प्रकरण बड़ी संख्या में लम्बित हैं, इन्हें समय सीमा में निराकृत करें। इस विषय में किसी भी राजस्व न्यायालय की प्रगति 75 प्रतिशत से नीचे नहीं होना चाहिए। उन्होंने समय सीमा से बाहर वाले प्रकरणों के लिए संबंधित राजस्व अधिकारी पर प्रकरणवार जुर्माना लगाने के निर्देश दिए। नारायणगंज में सीमांकन के लम्बित 20 प्रकरणों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कलेक्टर ने कहा कि टीमें बनाकर उक्त सीमांकन कार्य 3 दिवस के भीतर कराना सुनिश्चित करें। राजस्व वसूली की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि वसूली का काम निरंतर रूप से करें।

बैठक में अतिक्रमण, ब्रिक्स वसूली, आरसीएमएस में दर्ज प्रकरण, पीएम किसान ई-केवाईसी, सेल्फ रजिस्ट्रेशन, पीएम किसान सस्पेक्टेड हितग्राही सत्यापन, फार्मर रजिस्ट्री, सीएम डैशबोर्ड, सीपी ग्राम, सीएम/सीएस मॉनिट, पट्टा वितरण, अवैध कब्जा, अनुकम्पा पेंशन, वन्यप्राणी अनुदान प्रकरण, रास्ता विवाद, वक्फ संपत्तियों का सत्यापन, भू-अभिलेख का डिजिटाईजेशन, स्वामित्व योजना, हिट एण्ड रन, रेवेन्यू टीएल सहित अन्य विषयों पर विस्तार से समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर अरविंद सिंह, जेपी यादव, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती क्षमा सराफ, एसडीएम बिछिया सुश्री सोनाली देव, एसडीएम निवास शाहिद खान, एसडीएम घुघरी हुनेन्द्र घोरमारे, एसडीएम नैनपुर आशुतोष ठाकुर सहित सभी तहसीलदार तथा नायब तहसीलदार उपस्थित रहे।

सीईओ बीजाडांडी के विरुद्ध धरना प्रदर्शन, 7 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

जनपद पंचायत बीजाडांडी की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती बंसती दुबे के विरुद्ध त्रिस्तरीय पंचायत जनप्रतिनिधियों ने एक दिवसीय धरना प्रदर्शन कर अपना विरोध दर्ज कराया। जनपद कार्यालय के सामने हुए इस शांतिपूर्ण आंदोलन में जनप्रतिनिधियों ने बंसती दुबे पर तानाशाही, भ्रष्टाचार एवं जनहित कार्यों में अनियमितता के गंभीर आरोप लगाए। धरना उपरांत जनप्रतिनिधियों द्वारा संभाग आयुक्त जबलपुर, कलेक्टर मंडला एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मंडला के नाम 7 सूत्रीय मांगों वाला ज्ञापन सौंपा गया। इस ज्ञापन में जनप्रतिनिधियों ने बंसती दुबे को तत्काल पद से पृथक करने या अन्यत्र स्थानांतरण करने की मांग की।

मुख्य आरोप एवं मांगें

बिना बैठक प्रस्तावों के कार्य करना। समग्र आईडी वाले हितग्राहियों से 500 की अवैध वसूली। स्वीकृत प्रस्तावों के बावजूद जनपद निधि (15वें व 5वें वित्त) की राशि जारी न करना। जनप्रतिनिधियों के साथ अपमानजनक व्यवहार एवं कार्यालय में वीडियो बनाकर डराना। ठेकेदारों/वेंडरों से 5% से 10% कमीशन की मांग। जनपद अध्यक्ष के न्यायालयीन प्रकरण में पक्षपातपूर्ण भूमिका। बिना राशि दिए कार्य न किया जाना। जनप्रतिनिधियों का कहना है कि उक्त सभी मुद्दों को लेकर पूर्व में भी कई बार प्रशासन को लिखित रूप से अवगत कराया गया, परंतु कोई कार्यवाही नहीं हुई। इससे नाराज होकर आज एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया। धरना के दौरान जनप्रतिनिधियों ने चेतावनी दी कि यदि 22 जुलाई 2025 तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं की गई, तो वे आमरण अनशन करेंगे। आंदोलन की संपूर्ण जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी।

ज्ञापन सौंपने वालों में प्रमुख रूप से कई जनपद सदस्य, सरपंच, उपसरपंच, पंचायत सचिव एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सीईओ ने किया हायर सेकेंडरी स्कूल अमगवां का निरीक्षण

मण्डला। सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट ने शनिवार को हायर सेकेंडरी स्कूल अमगवां का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यार्थियों की उपस्थिति, शिक्षण गुणवत्ता, मध्यान्ह भोजन, स्कूल परिसरों की सफाई का जायजा लिया। सीईओ जिला पंचायत श्री कूमट ने शिक्षकों को समय पर उपस्थिति सुनिश्चित कर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने शिक्षा के प्रति मनोबल बढ़ाते हुए बच्चों को चॉकलेट का वितरण भी किया।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के लिये मुसीबत बन रहा बीएलओ का कार्य प्रभार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

जिले से एक चौंकाने वाली और दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है जहां बीएलओ के अतिरिक्त भार से आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की जान जोखिम में पड़ गई है। जमुना रघुवंशी बिनैका परियोजना की एक समर्पित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता बीएलओ ट्रेनिंग के दौरान घायल हो गईं। पैर में गंभीर फ्रैक्चर हुआ और इलाज की जरूरत पड़ी, लेकिन हैरानी की बात ये है कि अब तक किसी भी विभाग ने न तो सुध ली और न ही एक रुपये की सहायता प्रदान की गई। सवाल उठता है कि क्या हम मानते हैं कि बीएलओ की ड्यूटी निभाना, एक महिला कार्यकर्ता की जिंदगी से बड़ा है? महिला एवं बाल विकास संचालनालय, भोपाल ने पहले ही दिनांक 8 अक्टूबर 2024 को यह स्पष्ट कर दिया था कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को बीएलओ या अन्य गैर-संबंधित कार्यों में नहीं लगाया जाए। पत्र क्रमांक /माबावि/आईसीडीएस/एसएपी-2/2024 इसका स्पष्ट प्रमाण है। फिर क्यों जमीनी स्तर पर इस आदेश को अनदेखा किया जा रहा है? क्यों आंगनबाड़ी कार्यकर्ता अब भी मतदान सूची, सर्वेक्षण, और प्रशासनिक दबावों के बीच पिसती जा रही हैं? वहीं भारतीय मजदूर संघ ने भी जिला निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी मंडला-107,निवास -106, बिछिया 105 के नाम ज्ञापन सौंपा है। जिसकी प्रतिलिपि आयुक्त संचालनालय, महिला एवं बाल विकास मप्र शासन भोपाल एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास मण्डला को प्रेषित किया गया है।

मानसेवी कार्यकर्ता लेकिन शोषण अनवरत

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ना केवल बच्चों की देखरेख करती हैं, बल्कि महिलाओं और गर्भवती माताओं के पोषण और स्वास्थ्य से जुड़ी जिम्मेदारियां भी निभाती हैं।इसके बावजूद उन्हें बीएलओ जैसे अतिरिक्त प्रशासनिक कामों में झोंक दिया जाता है बिना किसी अतिरिक्त मानदेय, बिना सुरक्षा, और बिना बीमा! जमुना रघुवंशी की हालत इसका जीता-जागता सबूत है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की मांगें

संचालनालय के निर्देश का तत्काल पालन हो - सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को बीएलओ के कार्य से तत्काल प्रभाव से मुक्त किया जाए। जमुना रघुवंशी को शासन द्वारा इलाज हेतु पूर्ण आर्थिक सहायता मिले। उन्हें स्वस्थ होने तक अवकाश दिया जाए, और उस दौरान पूर्ण मानदेय (मानदेय + अतिरिक्त भत्ता) प्रदान किया जाए।4. भविष्य में किसी भी मानसेवी कार्यकर्ता को गैर-संबंधित कार्यों में नहीं लगाया जाए।

जिम्मेदार दें ध्यान और समझे पीड़ा

कार्यकर्ताओं का कहना है कि अगर अब भी शासन नहीं जागा, तो ये चुप्पी कल किसी और आंगनबाड़ी दीदी की जान ले सकती है। यह केवल एक पैर का फैक्चर नहीं, व्यवस्था का चरम पतन है जहां संवेदनशील सेवाओं से जुड़ी महिलाएं, केवल आंकड़ों में गिनी जाती हैं, इंसान समझी ही नहीं जातीं। यह आवाज सिर्फ जमुना रघुवंशी की नहीं है यह हर उस आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की है जो शासन की अनदेखी के बीच हर दिन जान जोखिम में डाल रही है।

छात्रों ने निभाई लोकतंत्र की भूमिका, उत्कृष्ट विद्यालय में बाल चुनाव सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

सत्र 2025-26 उत्कृष्ट विद्यालय मंडला में इस वर्ष बाल केबिनेट के लिए एक बेहद अनुशासित और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत चुनाव संपन्न कराए गए। इस आयोजन का उद्देश्य बच्चों को लोकतंत्र की मूल भावना से परिचित कराना और उन्हें भविष्य में एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में तैयार करना था। चुनाव प्रक्रिया की शुरुआत मतदाता सूची तैयार करने से हुई जिसमें विद्यालय के कुल 298 छात्रों को मतदाता के रूप में नामित किया गया। चुनाव में 228 छात्रों ने मतदान किया जिससे कुल 77 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया जो कि बच्चों के बीच जागरूकता और जिम्मेदारी की स्पष्ट झलक है। चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित मानकों का पालन करते हुए विद्यालय में एक विशेष मतदान दल गठित किया गया। इस दल में राम ज्योतिषी, नरेश ठाकुर, सीके नंदा, सुनील नंदा, श्रीमती मातेश्वरी परस्ते, प्रखर पटैल सुरक्षा कर्मी की भूमिका में शामिल थे। वहीं मतदान के दौरान प्रेक्षक दल और माइक्रो आब्जर्वर की भी तैनाती की गई जिससे पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित हो सके। बच्चों को मत डालने की पूरी प्रक्रिया को वास्तविक चुनावों की तरह सिखाया गया।

महासम्मेलन | **आने वाली पीढ़ी के लिए कुछ बेहतर करना ही संगठन का मूल उद्देश्य।**

वैश्य महासम्मेलन की जिला कार्यकारिणी की हुई बैठक

*** आजीवन सदस्यों का हुआ सम्मेलन।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

मध्य प्रदेश की 435 तहसील में साठ हजार से ज्यादा आजीवन सदस्यों के साथ समाजसेवा में अग्रणी सामाजिक संगठन वैश्य महासम्मेलन मध्य प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष सुधीर अग्रवाल के मुख्यातिथ्य में होटल उत्सव कटरा रोड मंडला में जिला कार्यकारिणी एवं आजीवन सदस्यों का सम्मेलन संपन्न हुआ। जिला प्रभारी सुनील अग्रवाल ने रूपरेखा प्रस्तुत कर आयोजन की महत्वता पर प्रकाश डाला तत्पश्चात संभागीय अध्यक्ष अशोक गोयल ने वैश्य महासम्मेलन के पूरे मध्यप्रदेश के नेटवर्क और विपरीत परिस्थिति में अलग अलग जिलों के साथियों के द्वारा मिले सहयोग की महत्वता सबसे साझा की।

जिला अध्यक्ष नितिन राय ने अपने कार्यकाल के खट्टे-मीठे अनुभव को साझा करते हुए कहा इतने बड़े संगठन मतलब एक परिवार से जुड़ना हम सबके लिए गौरवपूर्ण है। इस संगठन की नीति और नियत सदैव समाजहित लिए ही है महिला अध्यक्ष अनिता गोयल ने कहा-प्रत्येक तहसील में प्रवास कर महिला कार्यकारिणी के विस्तार की योजना को अब मूर्त रूप दिए जाने की योजना है साथ ही आगामी 27 जुलाई को महिला इकाई द्वारा हरियाली तीज पर कार्यक्रम आयोजन किया जाना है।

संगठन के कार्यों के प्रचार प्रसार में सहयोगी राष्ट्रीय मासिक पत्रिका आंदोलन पथ के विगत दो अंकों का संभागीय महामंत्री एवं उपरोक्त पत्रिका के प्रबंध सम्पादक रंजीत कछवाहा द्वारा वितरण किया गया।

प्रदेश अध्यक्ष सुधीर अग्रवाल ने कहा-हम सिर्फ मानव एक प्रजाति मात्र नहीं बल्कि, ईश्वर के अंश हैं। आने वाली पीढ़ी को कुछ बेहतर दे सके इसलिए संगठन के लिए प्रतिदिन पांच दस मिनट का समय निकालकर अपने साथियों से बेवजह बात करें।

उन्होंने कहा सबको विदित है कि, आगामी 30 जुलाई के बाद आजीवन सदस्यता शुल्क बढ़ने का पूर्व निर्णय हो चुका। इसलिए सब एकजुट होकर नए सदस्यों को आजीवन सदस्यता हेतु भागीरथी प्रयास करें।

कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन पूर्व जिलाध्यक्ष एवं वर्तमान संरक्षक सुधीर कसार के द्वारा किया गया तत्पश्चात विगत दिवस मंडला नगर के आजीवन सदस्य ऋतु (राकेश) अग्रवाल एवं अन्नू (नरेंद्र) सिहारे के स्वर्गवास हो जाना संगठन की अपूर्णीय क्षति बताया और सबने मौन श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके परिवार को इस गहन दुख को सहन करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

इंद्रेश (बब्बल) खरया के नेतृत्व में प्रदेश अध्यक्ष के द्वारा पौधारोपण किया गया।

प्राकृतिक खेती योजना के अंतर्गत किसानों को मिलेगा प्रशिक्षण एवं सहायता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला/भुआबिछिया

नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग आत्मा योजना कृषि विभाग द्वारा प्रदेश में किसानों को रासायनिक मुक्त खेती की ओर प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्राकृतिक खेती योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है।

ऑनलाइन पंजीकरन कि जानकारी उपस्थित सखियों एवम किसानो को दी गई आर डी जाटव परियोजना संचालक आत्मा के मार्गदर्शन में डिप्टी पी डी अंजू कोडापे बी टी एम मोहित गोल्हानी ने इस योजना के बारे में जानकारी दी योजना अंतर्गत किसानों को बिना रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के उपयोग से खेती करने के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे उत्पादन की गुणवत्ता बढ़े और लागत में कमी आए।

खरीफ फसलों में सांवा ओर कंगनी रागी का बीज उपस्थित कृषकों को मवई जनपद सी ई ओ टिमरिया सर वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी व्ही पी टेकाम ,राकेश जंघेला बी एम अजीविका मिशन एवम कृषि विस्तारअधिकारी की उपस्थिति रही।

गाय आधारित जीवराम (जैविक खाद एवं कीटनाशक) का प्रयोग स्थानीय संसाधनों का उपयोग मल्चिंग, आच्छादन और मिश्रित फसलें भूमि की उर्वरता एवं जलधारण क्षमता में वृद्धि योजना के अंतर्गत सुविधाएं: चयनित किसानों को प्राकृतिक खेती का निःशुल्क प्रशिक्षण आवश्यक इनपुट जैसे जीवामृत, बीजामृत की जानकारी फील्ड डेमो, अनुभव साझा करने हेतु कार्यशालाएं फसल बिक्री हेतु प्राकृतिक उत्पादों का विपणन समर्थन इस योजना का उद्देश्य न केवल किसानों की आय को बढ़ाना है, बल्कि मृदा स्वास्थ्य की रक्षा और पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा देना है। इच्छुक किसान अपने ग्राम पंचायत या विकासखंड तकनीकी प्रबंधक कृषि अधिकारी से संपर्क कर योजना में शामिल हो सकते हैं।

खबर संक्षेप

सटोरियो के पास से पुलिस ने सट्टा पट्टी सहित नगद राशि की गई जप्त

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। सट्टा जुंआ के अवैध कारोबार को लेकर पुलिस द्वारा चलाई जा रही धरपकड़ मुहिम के चलते बीते हुये दिनों अलग अलग स्थानों से पुलिस ने जुंआरी व सटोरियों को पकड़ने में सफलता हासिल की गई है। इस संबंध में पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार गाडरवारा पुलिस द्वारा नगर के नदी मुहल्ला में तुलसीराम पिता रामनाथ छीपा को सट्टा पट्टी काटते हुये पकड़कर आरोपी के पास से सट्टा पट्टी व नगदी 505 रूपया जप्त किये गये। इसी प्रकार से नगर के चीचली रोड स्थित रेलवे फाटक के पास कंछेदी पिता गया प्रसाद धानक निवासी निरंजन वार्ड के पास से भी पुलिस ने सट्टा पट्टी व नगदी 400 रूपया व नगर के स्टेशन मार्ग पर जगदीश पिता गनेश नामदेव निवासी जमाडा के पास से भी पुलिस ने सट्टा पट्टी व नगदी 470 रूपया तथा नगर के ओशों धाम के पास पटैल वार्ड में गोविंद पिता छोटे लाल काछी के पास से पट्टी सहित नगदी 450 रूपया, नगर के हनुमान वार्ड में मंगल पिता मुन्ना लाल ठाकुर के पास सट्टा पट्टी व नगदी 370 रूपया जप्त किये गये। इसी प्रकार से समीपस्थ सिहोरा पुलिस चौकी के अंतर्गत ग्राम खुलरी में बाबू लाल पिता कोमल जाटव के पास से भी पुलिस ने सट्टा पट्टी सहित नगदी 485 रूपया नगदी तथा सिहोरा में ग्राम मरका निवासी राजकुमार पिता अमर सिंह लोधी के पास से भी सट्टा पट्टी व नगदी 300 रूपया जप्त करते हुये धारा 4 क जुंआ एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया।

दो पक्षों के बीच हुई मारपीट में पुलिस द्वारा किया गया, काउन्टर मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। छोटी छोटी बातों को लेकर मारपीट होना आजकल आम बात होती चली जा रही है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिवस नगर के माता वार्ड में देखने मिली जहां पर पुरानी बुराई को लेकर दो पक्षों में मारपीट होने के चलते पुलिस द्वारा काउन्टर मामला दर्ज किया गया है। घटना के संबंध में पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस नगर के माता वार्ड निवासी एक व्यक्ति द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब में रात के समय अपने घर के पास खड़ा हुआ था उसी दौरान मुहल्ले का निवासी दिनेश जाटव प्रतीम जाटव व सूरज जाटव आये और पुरानी बुराई को लेकर गंदी गंदी गालिया देने लगे। जब प्रार्थी द्वारा गाली देने से मना किया तो दिनेश जाटव द्वारा मारपीट शुरू कर दी गई। वही आवाज सुनकर प्रार्थी की बुआ का लड़का सत्यम जाटव व पिता परषोतम जाटव आये और बीच बचाव करने का प्रयास किया तो आरोपियों द्वारा उनके साथ भी मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। वही दूसरे पक्ष की ओर एक महिला द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि सत्यम जाटव, परषोत्तम जाटव व लकी जटाव पुरानी बुराई को लेकर मेरे लडके के साथ मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। इस तरह मामले को लेकर दोनों पक्षों की ओर से हुई शिकायतों के चलते पुलिस ने काउन्टर मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

युवक के पास से पुलिस ने जप्त किया देशी कट्टा सहित कारतूस

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। अपराधिक प्रवृति में लिप्त रहने वाले लोगों के हौसले इतने बुलंद होते चले जा रहे है कि वह खुलेआम पिस्टल सहित अन्य प्रकार के हथियार लेकर घूमने से नही चूक रहे है। इस बात की सच्चाई बीते हुये दिवस उस समय सामने आई जब पुलिस द्वारा नगर के नई गल्ला मंडी के समीप एक युवक के पास से पुलिस ने देशी कट्टा सहित कारतूस जप्त किया गया। बताया जाता है कि पुलिस जब क्षेत्र में भ्रमण कर रही थी उसी दौरान नगर की पुराना गल्ला मंडी के पास एक युवक पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करते हुये देखा गया। इस तरह संदिग्ध युवक की जब पुलिस द्वारा घेराबंदी करते हुये पकड़कर पूछताछ की गई।

एम्बुलेंस के अभाव में तीन घंटे तड़पते हुये देखी गई बीमार मासूम बेटी, नगर के शासकीय चिकित्सालय की स्वस्थ्य सेवाओं की व्यवस्था पर खड़े हुये सवाल

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। जहां एक ओर सरकार द्वारा आम जनता को स्वस्थ्य लाभ देने के लिये अनेक प्रकार की योजनायें चलाने की बात कहते हुये आये दिन मंचों से कहते हुये सुना जाता है कि यदि कोई मरीज शासकीय चिकित्सालय पहुंचता है तो उसका उपचार करने के लिये अब सरकारी चिकित्सालयों में इस तरह की व्यवस्थाय बनाई गई है कि उसके किसी भी प्रकार की कोई सामग्री खरीदने की जरूर नही है। वही दूसरी ओर यदि किसी मरीज को दूसरे अस्पाताल के लिये रेफर करने की जरूरत पड़ती है तो वहां तक पहुंचाने के लिये शासन की एम्बुलेंस 24 घंटे मौजूद रहती है। यहां तक अब तो सरकार द्वारा मरीजो को एयर एम्बुलेंस की सुविधा उपलब्ध कराने की बात कहने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है...? मगर सरकार के इन बादों की सच्चाई की पोल उस समय खुलने से नही चूक पाती है जब कोई गरीब तहसील स्तर के इन शासकीय चिकित्सालयों में इलाज कराने के लिये पहुंचता है तो न तो उपचार करने के लिये समय पर डाक्टर मिल पाते है और नही ही रेफर किये जाने की स्थिति में एम्बुलेंस उपलब्ध हो पाती है..? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिवस स्थानीय शासकीय चिकित्सालय में उस समय देखने मिली जब समीपस्थ ग्राम मोहपानी से एक लगभग सात वार्षिय बच्ची को बीमारी के चलते उपचार कराने के लिये परिवार के लोग लेकर पहुंचे तो वहां पर डाक्टरों द्वारा मासूम बेटी को उपचार के लिये जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया था। इस तरह गरीब मासूम के परिजनों के पास धन का आभाव होने के चलते वह नरसिंहपुर किसी निजी वाहन से ले जाने में सक्षम नही होने के चलते शासन की 108 सेवा पर अनेको बार फोन लगाये जाने के बाद भी एम्बुलेंस उपलब्ध नही हो पा रही थी। इस प्रकार से नगर के शासकीय चिकित्सालय परिसर में बीमार मासूम बेटी के परिजन परेशान होते हुये देखे गये। वही दूसरी ओर परिजनों ने शासकीय चिकित्सालय प्रागंण में खड़ी हुई सरकारी एम्बुलेंस के संबंध में जानकारी ली गई तो पता चला की वह खराब पड़ी हुई है। इस तरह मासूम बेटी को चिकित्सालय परिसर में बीमारी से तड़पते हुये देखे लोगों की भीड़ एकत्र होने से नही चूक पा रही थी। इस तरह बीमारी बेटी के परिवार जनों द्वारा जब आक्रोशित होकर हंगामा मचाना शुरू किया गया तो मौके पर पुलिस भी मौजूद हो चुकी थी तो दूसरी ओर मीडिया के लोग पहुंच चुके थें। इस तरह हंगामा की स्थिति बनते हुये देखा गया कि शासन की खड़ी हुई एक एम्बुलेंस में कुछ कर्मचारियों द्वारा बेटरी लगाते हुये उसे चालू करने का प्रयास करते हुये देखे गये। इस सच्चाई से जब चिकित्सालय प्रभारी को अवगत कराया गया तो उनके द्वारा अन्य एक दूसरी एम्बुलेंस के माध्यम से बीमारी बेटी सहित उसके परिजनों को जिला चिकित्सालय के रेफर तो कर दिया गया। मगर इस सच्चाई ने निश्चित तौर से नगर के शासकीय चिकित्सालय के स्वास्थ्य सेवाओं की पोल खोलने में कोई कसर नही छोड़ी गई है..? वही दूसरी ओर जब हरिभूमि टीम द्वारा बीमार बेटी के साथ आये परिजनों से चर्चा की गई तो उन्होने बताया कि हम अपनी बेटी को इलाज कराने ग्राम मोहपानी से गाडरवारा शासकीय चिकित्सालय लेकर आये हुये थें। जहां पर डाक्टरों द्वारा इलाज की औचारिकता निभाते हुये नरसिंहपुर के लिये रेफर कर दिया गया। मगर हमारे द्वारा उसे नरसिंहपुर ले जाने के लिये कोई साधन नही है। इस स्थिति में हमारे द्वारा शासन की 108 सेवा की एम्बुलेंस के लिये अनेको बार फोन किया गया तथा यहां पर मौजूद डाक्टरों से भी बोला गया। मगर हमसे कहा जा रहा है कि सरकारी एम्बुलेंस खराब पड़ी हुई अन्य कोई दूसरे साधन से ले जाओ। इस हाल में हम तीन घंटे से परेशान हो रहे है यहां से रेफर कर देने के कारण अस्पाताल के सामने बीमार बेटी को लेकर बैठे हुये है। वही दूसरी ओर मरीज बेटी के साथ आये रिस्तेदार चंदन ठाकुर का कहना था कि अब हम लोग इतने सक्षम नही है अन्य कोई निजी वाहन करके बेटी को ले जा सके। तीन घंटे से डाक्टरों से लेकर सभी के हाथ पाव जोड़ रहे है। मगर हमारे लिये किसी भी प्रकार से एम्बुलेंस की व्यवस्था नही हो रही है बीते हुये तीन घंटे से परेशान हो रहे है। वही दूसरी ओर शासकीय चिकित्सालय में डियूटी पर तैनात डा. अटल कौरव से चर्चा की गई तो उनके द्वारा बताया गया यह बात सत्य है कि मासूम बेटी को लेकर उसके परिवार के लोग एम्बुलेस के लिये तीन घंटे से परेशान हो रहे है। मगर एम्बुलेंस की व्यवस्थाओं के संबंध में मै कुछ नही बता सकता हूं। वह तो प्रभारी ही बता सकते है वह अभी मौजूद नही है..? इस प्रकार से लगभग तीन घंटे तक एम्बुलेंस सेवा के आभाव में बीमारी मासूम बेटी के परिजन परेशान होते हुये देखे गये। वही दूसरी ओर शासकीय चिकित्सालय परिसर में शासन से लेकर निजी एम्बुलेंसों की लाईन लगी हुई दिखाई देने से नही चूक रही थी..? अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि जिस तरह नगर के शासकीय चिकित्सालय में शासन की एम्बुलेस खराब स्थिति में खड़ी हुई है तो उसके सुधार कार्य कराने की जिम्मेदारी किसकी होती है..? वही दूसरी ओर जब उस एम्बुलेंस में बेटरी लगाते हुये चालू किया गया तो वह चालू भी हो गई। कही ऐसा तो नही कि निजी एम्बुलेंसों को लाभ पहुंचाने के लिये इस तरह सरकारी एम्बुलेंस को खराब बताने की कार्य योजना मिलीभगत के चलते हुये बनाई जाती है..? खैर सच्चाई जो भी हो उसे तो भगवान ही जाने..। मगर नगर के शासकीय चिकित्सालय में निजी स्तर पर संचालित होने वाली एम्बुलेंस से सदा ही चर्चा का विषय बनने से नही चूक पाती है। इतना ही नही इन एम्बुलेंस के संचालकों पर पूर्व में अनेको बार इस बात के आरोप लग चुके है कि जब किसी मरीजों को रेफर होने पर निजी एम्बुलेंसों के माध्यम से जिला स्तर पर ले जाया जाता है तो वह निजी चिकित्सालयों में छोड़कर आते है। इस प्रकार से निजी चिकित्सालयों की मिलीभगत के चलते नगर में निजी एम्बुलेसों के बीच कमीशनखोरी के चक्कर में गरीब मरीजों को परेशान होने के लिये मजबूर होते हुये देखा जा रहा है..?

पुलिस द्वारा अलग अलग स्थानों से जप्त की गई अवैध शराब

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। पुलिस द्वारा नगर के हनुमान वार्ड में एक महिला के पास से 10 लीटर कच्ची महुआ की शराब तथा नगर के डोला बाबा आंगनवाड़ी केन्द्र के पास प्रकाश पिता श्याम मांग निवासी रानी लक्ष्मी बाई वार्ड के पास से 10 लीटर कच्ची व नगर के रायल्टी आफिस के पास शिव कुमार पिता चंदन सिंह कहार निवासी विवेकानंद वार्ड के पास से 11 लीटर तथा एक महिला के पास से दो कुप्पों में दस लीटर एवं कुचबंदिया मुहल्ला में एक महिला के पास से भी दस लीटर तो रघुराज पिता त्रिभुवन श्रीवास निवासी निरंजन वार्ड के पास से 10 लीटर, वही नगर के महारानी लक्ष्मी बाई वार्ड में 58 वार्षिय महिला के पास से 15 लीटर व ब्रजेश पिता ठाकुर दास ठाकुर निवासी विठ्ठल भवन के पास से 12 लीटर तो नगर के पलोहा नाका के पास से 10 पाव अंग्रेजी शराब तथा नगर के जमाडा रोड पर कैलाश पिता हीरालाल चौधरी निवासी भूतखेड़ा के पास से 5 लीटर व नगर के रानी लक्ष्मी बाई वार्ड में सरमन पिता राम प्रसाद धानक के पास से 6 लीटर, झलकन पिता तुलसीराम जाटव निवासी डोलाबाबा के पास से 5 लीटर व संतोष पिता राधेश्याम कीर निवासी डमरूघाटी के पास से भी पुलिस ने 5 लीटर एवं साईराम कालोनी निवासी राजकुमार पिता ओमकार प्रसाद नौरिया के पास से 5 लीटर व अर्जुन पिता पूरन लाल के पास से 10 लीटर तथा भैयाजी पिता बाबू लाल विश्वकर्मा के पास से 5 लीटर, मरघटा मुहल्ला निवासी गोवर्धन पिता छोटे लाल जाटव के पास से 5 लीटर व हरीष उर्फ भीम पिता विश्राम ठाकुर के पास से 4 लीटर शराब अवैध रूप से रखे हुये पकड़ा गया। इसी प्रकार से समीपस्थ सालीचौका पुलिस चौकी के अंतर्गत ग्राम अर्जुन गांव निवासी संदीप पिता सुखराम धानक के पास से चार कुप्पा कच्ची शराब व एक महिला के पास से 10 लीटर व बडी डांग बसुरिया रोड पर परषोत्तम उर्फ कल्लू पिता महादेव स्थापक निवासी बसुरिया के पास से 16 पाव प्लेन तो सहावन तिरहा के पास श्रीकांत पिता मिही लाल पटवा निवासी बसुरिया के पास से भी पुलिस ने दो अलग अलग थैलों में 89 पाव शराब, राकेश पिता कोदू लाल धानक निवासी ग्राम घूरपुर के पास से 10 लीटर व ग्राम सहावन टोला में राजू पिता हर प्रसाद वर्मा के पास से 20 पाव देशी प्लेन व सरोज पिता सुरेश चौकसे के पास से 16 पाव देशी तथा रेलवे कालोनी के पास सुबोध पिता महेन्द्र परधान के पास से 5 लीटर तो ग्राम राकेश पिता राजू अहिरवार के पास से 10 लीटर शराब जप्त की गई। वही समीपस्थ सिहोरा पुलिस चौकी क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बम्हौरी में वही के निवासी मदन पिता राम दयाल कौरव के पास से 10 लीटर तथा सिहोरा ही निवासी महंत पिता रविशंकर जाटव के पास से पुलिस ने 16 पाव प्लेन बरामद किया।

पुलिस ने नगर परिषद सालीचौका के सहयोग से निकाली गई नशा विरोधी रैली

नशा की लत का शिकार एक व्यक्ति पूरे परिवार को बर्बाद कर देता है- मिश्रा

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। इस समय पुलिस द्वारा प्रदेश पुलिस मुख्यालय से जारी हुये आदेश के परिपालन में जिला पुलिस अधीक्षक मृगाखी डेका के मार्ग दर्शन व उप पुलिस अधीक्षक संदीप भूरिया के दिशा निर्देशन में उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा तथा नगर निरीक्षक विक्रम रजक द्वारा लोगों को नशा से दूर रहने के लिये "नशे से दूरी है ज़रूरी" विशेष अभियान के तहत 15 दिवसीय वृहद जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत क्षेत्र की शैक्षणिक संस्थानों, साप्ताहिक बाजारों एवं सार्वजनिक स्थलों पर जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से स्कूली बच्चों, शिक्षकों, युवाओं एवं आम नागरिकों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया जा रहा है तथा नशा मुक्त जीवन जीने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसी के चलते बीते हुये दिवस हुये दिवस सालीचौका पुलिस तथा नगर परिषद के माध्यम से संयुक्त रैली निकालते हुये लोगों को नशा से दूर रहने के लिये सचेत करते हुये जागरूक किया गया। इस मौके पर मुख्य रूप से उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा,नगर निरीक्षक विक्रम रजक, सालीचौका पुलिस चौकी प्रभारी वर्षा के आलवा ए एस आई विक्रम परमार, आरक्षक हरिशंकर पटवा, जमना रजक, हेमराज कुशवाहा, अभिषेक पासी, बालकृष्ण रघुवंशी, बृजेश दीक्षित, सैनिक हेमराज सिंह सहित मुख्य नगर पालिका अधिकारी भवानी शंकर शर्मा तथा नगर परिषद के अनेक कर्मचारियों सहित स्कूली छात्र छात्राये मौजूद थें। इस दौरान उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा तथा नगर निरीक्षक विक्रम रजक द्वारा छात्र छात्राओं को नशे से दूर रहने व लोगों को इसके प्रति जागरूक करने के लिये शपथ दिलाई गई। वही जागरूकता रैली को संबोधित करते हुये उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा ने कहा कि जब किसी के परिवार में एक व्यक्ति नशे की लत का शिकार हो जाता है तो पूरा परिवार बिखरने से नही बच पाता है..। क्योंकि नशा इस प्रकार की महामारी है कि जीवित रहते आदमी को मरे के समान कर देता है। जो व्यक्ति नशे की लत का शिकार होता है उसका जीवन तो बर्बाद होता ही है। साथ ही परिवार के अन्य सदस्याओं को भी परेशानियों का समाना करने के लिये मजबूर होना पड़ता है। एक बार यदि कोई व्यक्ति नशे की लत का आदि हो जाता है तो वह अपनी लत पूरी करने के लिये कोई भी अप्रिय कदम उठाने में पीछे नही रहता है। जब उसके पास मादक सामग्री खरीदने के लिये पैसा नही होते है तो वह अपनी लत पूरी करने के लिये घर की जरूरी सामग्री बेचने में तक पीछे नही रहता है। वही अन्य प्रकार की अपराधिक घटनाओं को जन्म देते हुये अपनी लत को पूरा करने की सोच बनाने से नही चूकता है। इसी बात को ध्यान में रखते हुये शासन प्रशासन द्वारा आये दिन नशामुक्ति के आयोजन करते हुये लोगों को नशे के प्रति जागरूक करने के लिये अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान स्कूली बच्चों एवं क्षेत्रवासियों को वीडियों फिल्म, जागरूकता रैली के माध्यम से नशा मुक्ति हेतु जागरूक करने एवं नशा न करने, नशा मुक्त समाज की दिशा में कार्य करने के लिये कार्यक्रम आयोजित किये गये। इस दौरान उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा तथा नगर निरीक्षक विक्रम रजक द्वारा छात्र छात्राओं को नशे से दूर रहने व लोगों को इसके प्रति जागरूक करने के लिये शपथ दिलाई गई।

संपूर्ण जिले में अब तक 77 हजार से अधिक क्विंटल की मूंग का हुआ उपार्जन, केन्द्रों की निगरानी जरूरी

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

राज्य शासन किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा जारी उपार्जन नीति के निर्देशानुसार भारत सरकार की प्राइस सपोर्ट स्कीम के अंतर्गत वर्ष 2025 (विपणन वर्ष 2025-26) में समर्थन मूल्य पर ग्रीष्मकालीन मूंग एवं उड़द उपार्जन का कार्य जारी निर्देशों का पालन करते हुए 08 अगस्त 2025 तक की अवधि तक किया जाना है। इस संबंध में बताया जाता है कि संपूर्ण जिले में अब तक 3 हजार 189 किसानों द्वारा 77 हजार 87 क्विंटल मूंग का उपार्जन का कार्य किया जा चुका है, जबकि 28 हजार 825 किसानों ने अपने स्लॉट बुक किए हैं। जिसके चलते कृषि विभाग द्वारा किसानों से अपेक्षा की जा रही है कि वह भारत सरकार की प्राइस सपोर्ट स्कीम के अंतर्गत वर्ष 2025 (विपणन वर्ष 2025-26) में समर्थन मूल्य पर ग्रीष्मकालीन मूंग एवं उड़द उपार्जन के लिए अपने पंजीकृत मोबाइल नंबर से स्लॉट बुक कर अपने नजदीकी उपार्जन केन्द्र पर अपनी उपज का विक्रय कर सकते हैं। प्रशासन द्वारा दोपहर 2 बजे स्लॉट ओपन किये जा रहे हैं। जिस पर वह निर्धारित समय पर स्लाट बुक कर न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अपनी उपज का विक्रय कर सकते हैं। जिला उपार्जन समिति द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार वर्ष 2025 में समर्थन मूल्य पर पंजीकृत किसानों से ग्रीष्मकालीन मूंग एवं उड़द उपार्जन कार्य के सुचारू रूप से संचालन के लिए जिले में किसानों की सुविधा को दृष्टिगत रखते गोदाम स्तरीय उपार्जन केन्द्रों का निर्धारण किया गया है। मूंग एवं उड़द खरीदी के लिए तहसील गाडरवारा के अंतर्गत एमपीडब्ल्यूएलसी- 7 कैम्पस गाडरवारा- सहकारी विपणन समिति गाडरवारा, नूर वेयरहाउस डमरूघाटी- सेवा सहकारी समिति चिर्रिया, आर.लक्ष्मण वेयरहाउस गाडरवारा- सेवा सहकारी समिति इमझिरी, आंनद लॉजिस्टिक कार्पो. सालीचौका- सेवा सहकारी समिति कामती, आयरा वेयरहाउस सांईखेडा रोड- सेवा सहकारी समिति सासबहू, ऋषभ वेयरहाउस गाडरवारा- सहकारी विपणन समिति खुलरी, मां गुर्जर- 36 वेयरहाउस गाडरवारा- सेवा सहकारी समिति खुर्सीपार, श्री रघुवंशी वेयरहाउस कौडिया- सेवा सहकारी समिति नरवारा, रामानुज वेयरहाउस कामती गाडरवारा- सेवा सहकारी समिति महगुवा खुर्द, पाली लॉजिस्टिक वेयरहाउस बीतली- सेवा सहकारी समिति सूरना, राधारमण वेयरहाउस कौड़िया- सेवा सहकारी समिति शाहपुर, कौरव वेयरहाउस केंकरा- सेवा सहकारी समिति बोहानी, स्वर्णपरी वेयरहाउस, पोडार तिराहा- सेवा सहकारी समिति बसुरिया, मेकलसुता वेयरहाउस खमरिया- सेवा सहकारी समिति आड़ेगांव, विनायक वेयर हाउस सालीचौका- सेवा सहकारी समिति पचामा, गुरूकृपा वेयर हाउस बटेसरा- सेवा सहकारी समिति सिल्हेटी, रेवाश्री वेयरहाउस पोडार तिराहा- सेवा सहकारी समिति अमाडा, श्रीमाया वेयरहाउस सालीचौका- सेवा सहकारी समिति बाबईकला, शैलेन्द्र वेयरहाउस थलवाडा- सेवा सहकारी समिति चीचली तथा सांईखेडा तहसील के अंतर्गत केशवानंद वेयर हाउस पालीखैरी- सेवा सहकारी समिति रम्पुरा, सुविधा वेयर हाउस तूमडा- सेवा सहकारी समिति पीपरपानी व चौधरी वेयर हाउस रम्पुरा- सेवा सहकारी समिति बनवारी को केन्द्र बनाए गए हैं। इन निर्धारित किये गये बेअर हाऊसों पर मूंग का उपार्जन कार्य चलते हुये देखा जा रहा है। मगर कुछ केन्द्रो पर जानकारी मिल रही है कि बेयर हाऊसों के मालिको द्वारा मौजूद रहते हुये मूंग खरीदी के कार्य में अपना हस्ताक्षेप करने में पीछे नही रह रहे है, जिसको लेकर किसानों में आक्रोश की स्थिति पैदा होते हुये देखी जा रही है। वही दूसरी ओर संपूर्ण प्रदेश से लेकर जिले में सबसे अधिक गाडरवारा तहसील क्षेत्र के मूंग खरीदी केन्द्र चर्चा का विषय बनने से नही चूक पाये है। क्योंकि अधिकारियों द्वारा मूंग खरीदी केन्द्र निर्धारित किये जाने से कुछ बेयर हाऊस संचालको के बीच जिस प्रकार की बौखलाहट देखने मिली थी जिसके कारण मूंग खरीदी कार्य में बिलंब होने से किसानों को परेशान होने के लिये मजबूर होना पड़ा है। वही दूसरी ओर मूंग खरीदी प्रक्रिया पर संदेह के बादल मडरा दिये गये है..? इस स्थिति में इन केन्द्रो पर क्षेत्र के जिम्मेदार अधिकारियों को पैनी नजर रखने की जरूरत है.. जिससे चतुरंगी टीम नियमों के विपरित किसी कार्य को अंजाम देने में सफल न हो पाये..?

पीपल पौधों का रोपण कर पर्यावरणविद् का किया सम्मान, एक पेड माँ तो एक पेड आत्माओं के नाम रोपे जाने से प्रकृति पहनेगी हरियाली की चुनरी: बसेड़िया

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। इस समय देखा जा रहा है कि जहां तहां एक पेड़ माँ के नाम के तहत पौधा रोपण होते हुये तो देखा जा रहा है। मगर यह मुहिम औपचारिकता की जगह सही रूप धारण कर ले तो प्रकृति को हरियाली की चुनरी धारण करने में देर नही लगेगी। मगर अक्सर देखा जाता है कि पहले भी अनेकों बार शहर में नेताओं से लेकर अधिकारियों को पौधा रोपण करते हुये देखा गया। मगर वह पौधा रोपण मात्र अखबरों की सुर्खियों तक सीमित रहने का परिणाम रहा है कि कुछ वर्ष पहले नेताओं वे लेकर अधिकारियों द्वारा रोपे गये पौधा आज नजर ही नही आ रहे है। कुछ इसी प्रकार का हाल बीते हुये वर्षो में पंचायतों द्वारा शासकीय धन राशि खर्च करते हुये गांव की सड़को के किनारे से लेकर किसानों के खेतों की मेडो पर बडे स्तर पर रोपण करने के साथ उनकी सिंचाई से लेकर सुरक्षा के नाम पर जिस तरह की सरकारी धन राशि खर्च की गई थी। मगर वह सिर्फ अखबारों की खबरों से लेकर कागजों की खाना पूर्ति तक सीमित होने का परिणाम है कि लगातार पौधा रोपण होने के बाद भी पेड़ दिखाई नही देते है..? पौधा रोपण सही मतलब तो जब माना जा सकता है जब रोपे गये पौधा को पेड़ बनाया जावे। यदि हर व्यक्ति इस समय चल रही माँ के नाम एक पेड़ की मुहिम को निष्ठा के साथ चलाते हुये रोपित किये गये पौधा को पेड़ बनाने की शपथ ले लेवे तो प्रकृति को हरियाली की चुनरी पहनाने में कोई कसर बाकी नही रहेगी। इसी के चलते बीते हुये गुरुवार को श्रावण मास के पावन अवसर पर नगर के समाज सेवी मुकेश बसेड़िया मुकेश द्वारा समीपस्थ ग्राम बोहानी के मुक्तिधाम में पीपल के पौधों का रोपण किया। इस अवसर पर वरिष्ठ पर्यावरणविद व संरक्षक पुनीत त्यागी को मेडल, रुद्राक्ष माला सहित शाल एवं कलम डायरी सम्मानित किया। श्मशान भूमि में कथाव्यास पँ प्रवीण व्यास ने स्वस्तिवाचन कर विष्णु स्वरूप पीपल का पूजन किया गया। तदोपरांत एक पेड़ माँ के नाम व एक पेड़ दिवगंत अज्ञात आत्माओं की मुक्ति हेतु सामूहिक संकल्प लेकर सभी ने पौधा रोपण किया। इस अवसर पर बसेड़िया ने मौजूद लोगों को पर्यावरण की रक्षा का संदेश देते हुये कहा कि श्रावण मास में गुरुवार को श्मशान भूमि में पीपल का पौधारोपण करने का एक विशिष्ट शास्त्रीय विधान है। क्योकि शास्त्रों में पीपल वृक्ष को साक्षात विष्णु भगवान का स्वरूप व पितरों का निवास माना है। वही त्यागी सदैव ही निःस्वार्थ भाव से अनेक वर्षों से पौधारोपण एवं पौधे वितरण करते है। हम सभी उनका सम्मान कर स्वयं गौरवांवित है। कार्यक्रम में ओमप्रकाश मेहरा को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर माध्यमिक शिक्षक मधुसूदन पटेल, राजेन्द्र गुप्ता , राजेश पचौरी ने उपस्थित रहकर पौधारोपण में विशेष सहयोग किया।

तीन साल से टूटा पुल, हर बारिश में मौत की दहलीज पार करते हैं ग्रामीण

डिण्डौरी (करंजिया)

करंजिया विकासखंड के ग्राम जुगदेही में सिवनी नदी पर बना पुल तीन साल पहले बारिश में ढह गया था, लेकिन अब तक इसकी मरम्मत नहीं हो सकी है। बरसात आते ही आसपास के दर्जनों गांवों के ग्रामीण जान जोखिम में डालकर नदी पार करने को मजबूर हैं।लिम्हा, करोंदी, भवानी टोला सहित कई गांवों के स्कूली बच्चों को हर दिन इसी क्षतिग्रस्त पुल से गुजर कर जुगदेही स्कूल जाना पड़ता है। हादसे की आशंका बनी रहती है, लेकिन जिम्मेदारों की आंखें अब तक नहीं खुलीं।

ग्रामीणों ने बताया कि करीब 20 साल पहले यह पुल सांसद निधि से बना था, लेकिन तीन साल पहले आई बाढ़ में बह गया। तब से अब तक सिर्फ मिट्टी-मुरूम डालकर अस्थायी मरम्मत होती रही है, जो हर साल बारिश में बह जाती है।

स्थायी समाधान की मांग को लेकर ग्रामीणों ने कलेक्टर से लेकर मुख्यमंत्री तक ज्ञापन भेजे, लेकिन नतीजा सिफर। बाढ़ की स्थिति में रास्ता पूरी तरह बंद हो जाता है और ग्रामीणों को 11 किलोमीटर पैदल चलकर जुगदेही पहुंचना पड़ता है।ग्रामीणों का कहना है कि वैकल्पिक मार्ग भी कीचड़ के कारण बारिश में लायक नहीं रहता। ऐसे में चार महीने हर साल यहां के लोगों के लिए परेशानी भरे होते हैं।

खबर संक्षेप

महिला ने खाया धतूरा का फल, तबियत बिगड़ी

डिण्डौरी- शाहपुर थाना अंतर्गत एक महिला ने शनिवार की सुबह पति से मामूली बात पर विवाद होने से गुस्सा में आकर धतूरा के फल का सेवन कर लिया । तबियत बिगड़ने पर परिजनो ने जिला चिकित्सालय में लाकर उपचार के लिए भर्ती कराया है जहां उपचार जारी है। अस्पताल चैकी पुलिस को दिये कथन में महिला ने बतलाया कि पति मजदूरी का काम करता है शनिवार सुबह वह मजदूरी करने जाने के लिए तैयार हुआ था और भोजन करने के लिए मांग कर रहा था लेकिन भोजन तैयार नही हुआ था । मेरे द्वारा कुछ देर में भोजन तैयार होने की बात कही गई, इसी बात से नाराज होकर गाली गलौच देते हुए घर से पति चला गया । महिला ने बतलाया कि पति मामूली बात पर नाराज होकर गाली गलौच करने लगता है आये दिन मामूली बात को लेकर होने वाले विवाद के तंग आकर शनिवार सुबह 9 बजे घर पर रखे धतूरा के तीन फलो का सेवन कर लिया, कुछ देर बाद तबियत बिगड़ने पर अपने पुत्र को घटना के संबंध में बतलाया जिसके बाद मेरे पुत्र ने पडोंसियों को इस सबंध में बतलाते हुए 108 एम्बूलेंस वाहन से जिला चिकित्सालय में लाकर उपचार के लिए भर्ती कराया है।

पेड़ में लटकता मिला युवक का शव

उमरियापान। उमरियापान थाना क्षेत्र के कछारगांव छोटा में शान्तिधाम के पास पेड़ पर फांसी से लटकते हुए एक युवक की लाश मिली। शुक्रवार को युवक की पहचान गांव के मंजीत पिता चंद्रभान लोधी 30 रूप में हुई। पुलिस ने उमरियापान अस्पताल में शव परीक्षण कराकर लाश परिजनों को सौंप दिया। उमरियापान थाना प्रभारी दिनेश तिवारी ने बताया कि कछारगांव छोटा में गुरुवार देरशाम शान्तिधाम के पास पेड़ से लटकती हुई एक युवक की लाश मिली है। लाश से बदबू आ रही है, जिससे शव दो दिन पुराना प्रतीत होता है। बारिश के दौरान पुलिस ने युवक के शव को फंदे से उतारा और कार्रवाई शुरू की। पुलिस की पतासाजी में युवक मंजीत गांव का ही निकला, जो पेट दर्द से परेशान था। बीते तीन दिन पहले दवाई कराने विलासपुर जाने कहकर घर से निकला था और वापस नहीं लौटा। पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच में जुटी है।

लैपटाप चोरी करने के आरोपित को पकड़ा

कटनी। प्लेट फार्म व चलित ट्रेनो, आउटरों मे यात्रियों के साथ हो रही चोरी व लूट की घटनाओं की रोकथाम एवं पतारसी हेतु जीआरपी थाना कटनी में गठित टीम का नेतृत्व थाना प्रभारी जीआरपी कटनी निरी. एल.पी. कश्यप द्वारा किया जा रहा है। दिनांक 17.7.25 को फरियादी विथियानाथम एआर पिता अरुमुग्म 32 साल निवासी आदित्यपुर जमशेदपुर झारखण्ड का ट्रेन क्र. 18477 उत्कल एक्सप्रेस से कोच नं. B/1 सीट नं. 61 पर यात्रा कर रहा था यात्रा दौरान लैपटाप बैग बैग के अंदर HP कंपनी का लैपटाप जिसका सीरियल नं. 5CG 1421 BDS था। चोरी होने की सूचना पर अप.क्र.- 854/25 धारा 305 (सी) बीएनएस का अपराध पंजीबध्द कर विवेचना की गयी। दौरान विवेचना 18.7.25 को आरोपी दीपक अहिरवार पिता कृष्णा उर्फ किशन अहिरवार 25 साल निवासी रामघाट मोहल्ला बार्ड नं. 10 शाहगढ़ थाना शाहगढ़ जिला सागर के कब्जे से चोरी गया एक पिट्ठू बैग जिसके उपर एचपी कंपनी का टैग लगा जिसके अंदर एक सिल्वर कलर का लैपटाप एचपी कंपनी का जिसका माडल क्र. 5CG 1421 BDS कीमती 90000 रूपए का मशरुका जप्त कर आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

जिले में अब तक 604.9 मिमी औसत वर्षा दर्ज

कटनी। जिले में इस वर्ष रविवार 1 जून से शुक्रवार 18 जुलाई तक कुल 604.9 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। जिले में सर्वाधिक औसत वर्षा इस साल रीठी तहसील में दर्ज की गई है, जहां अब तक 767.1 मिलीमीटर वर्षा हुई है। इसी अवधि में जिले में बीते वर्ष कुल 188.1 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई थी। इस प्रकार इस साल अब तक पिछले वर्ष की तुलना में 221.6 प्रतिशत अधिक औसत वर्षा हो चुकी है।

तीन माह से अंधेरे में डूबा कुट्ठर टोला, बिजली नहीं फिर भी थमा रहे बिल

डिंडोरी (करंजिया)।

गोपालपुर ग्राम पंचायत के कुट्ठर टोला के ग्रामीण बीते तीन महीने से बिजली के बिना जीवन जीने को मजबूर हैं। मार्च माह में गांव का ट्रांसफार्मर खराब हुआ था, जिसकी सूचना तत्काल बिजली विभाग को दी गई थी, लेकिन आज तक न तो ट्रांसफार्मर बदला गया और न ही कोई वैकल्पिक व्यवस्था की गई। हैरत की बात यह है कि बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप होने के बावजूद विभाग हर महीने नियमित रूप से बिल भेज रहा है।

कुट्ठर टोला मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ सीमा पर बसा एक प्रमुख टोला है, जहां बिजली न होने से ग्रामीणों की दिनचर्या पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गई है। रात में अंधेरे के कारण जंगली जानवरों और जहरीले कीड़ों का खतरा बढ़ गया है। बच्चे पढ़ाई नहीं कर पा रहे हैं और मोबाइल चार्ज न होने के कारण संपर्क व्यवस्था भी टूट चुकी है। बिजली से चलने वाले उपकरण जैसे मोटर, पंखे और लाइट्स सब कुछ बंद पड़े हैं। ग्रामीणों ने बताया कि विभाग को कई बार ज्ञापन सौंपा गया, लेकिन हर बार सिर्फ आश्वासन ही मिला। अधिकारियों ने शुरू में एक सप्ताह में ट्रांसफार्मर बदलने की बात कही थी, जो अब तीन महीने में भी हकीकत नहीं बन सकी। इस लापरवाही से ग्रामीणों में गहरा आक्रोश है। बारिश के मौसम में स्थिति और बदतर हो गई है। कुट्ठर टोला के ग्रामीणों ने अब आंदोलन की चेतावनी दी है। उनका कहना है कि यदि जल्द ही बिजली आपूर्ति बहाल नहीं की गई, तो वे उग्र प्रदर्शन करने पर मजबूर होंगे। ग्रामीणों का सवाल है कि सरकार हर मंच से गांवों को रोशन करने की बात करती है, लेकिन कुट्ठर टोला जैसे इलाकों की हकीकत कुछ और ही है। अब देखना यह होगा कि बिजली विभाग कब तक इस गहरी नींद से जागेगा और ग्रामीणों को कब राहत मिलेगी।

ग्रामीणों ने दी आंदोलन की चेतावनी, ट्रांसफार्मर बदलने में विभाग की घोर लापरवाही

नशे से दूरी हैं जरूरी संस्थानों में दिए व्याख्यान

अमरपुर। पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा चलाए जा रहे नशा मुक्ति अभियान अंतर्गत एवं पुलिस अधीक्षक डिंडौरी के निर्देशानुसार पुलिस चौकी अमरपुर के प्रभारी अतुल हरदहा द्वारा मुख्यालय में संचालित अमर ज्योति हायर सेकेंडरी विद्यालय में एक कार्यक्रम का आयोजन कर सहायक उपनिरीक्षक साधू सिंह धुर्वे को भेज कर विद्यालय में उपस्थित छात्र, छात्राओं एवं शिक्षकों को नशे से होने वाली हानि से अवगत कराते हुए नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। जिसमें पान, गुटका, बीड़ी, सिगरेट एवं शराब आदि नशीली वस्तु कितनी हानिकारक हैं। जिससे शरीर के साथ आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति भी होती हैं। इसलिए इनसे दूरी ही बनाए रखने और यह संदेश अपने घर एवं गांव तक पहुंचाने की अपील की गई हैं।

शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और निर्माण कार्यों की ली विस्तार से समीक्षा

विद्यालयों और संस्थाओं का कलेक्टर ने किया औचक निरीक्षण, व्यवस्थाओं में सुधार के दिए सख्त निर्देश

डिंडौरी। जिले की कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने शनिवार को विकासखंड करंजिया के विभिन्न विद्यालयों, स्वास्थ्य केंद्रों, आंगनवाड़ी केंद्रों और पंचायत कार्यालयों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने शिक्षा की गुणवत्ता, विद्यार्थियों की उपस्थिति, मध्यान्ह भोजन, विद्यालय परिसरों की स्वच्छता और निर्माण कार्यों की स्थिति की समीक्षा की।

सीएम राइज स्कूल में फर्नीचर की कमी पर जताई नाराजगी

कलेक्टर ने सीएम राइज स्कूल मोहतरा का निरीक्षण करते हुए विद्यार्थियों को ज़मीन पर बैठा देख स्कूल प्राचार्य को फटकार लगाई और तत्काल फर्नीचर की व्यवस्था कर छात्र-छात्राओं को डेस्क पर बैठाने के निर्देश दिए। वहीं भवन की दीवारों में दरार देखने पर उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए ग्रामीण यांत्रिकी विभाग, एसडीएम और संबंधित एजेंसी से तीन दिन के भीतर जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

छात्रों से पूछे सवाल, शिक्षकों को दी नसीहत

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कक्षाओं में पहुँचकर विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम से जुड़े सवाल पूछे और उनकी पढ़ाई की शैली का अवलोकन किया। कुछ छात्रों के उत्तरों से संतोष व्यक्त करते हुए उन्होंने शिक्षकों को निर्देशित किया कि वे नियमित समय पर विद्यालय पहुँचें और बच्चों को सक्रिय रूप से सीखने के लिए प्रेरित करें।

लापरवाही पर कार्यवाही के निर्देश

कई विद्यालयों और आंगनवाड़ी केंद्रों में मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता की जांच की गई। निर्धारित मीनू के अनुसार भोजन न मिलने पर सरस्वती स्व-सहायता समूह को नोटिस जारी कर जांच उपरांत हटाने के निर्देश दिए गए।

स्वास्थ्य केंद्र में दवाओं की उपलब्धता पर विशेष जोर

गोरखपुर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने वहां मौजूद चिकित्सकों से मरीजों की संख्या और दवाओं की उपलब्धता की जानकारी ली। उन्होंने सर्पदंश और अन्य मौसमी बीमारियों के लिए तत्काल इलाज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए और किसी भी प्रकार की लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी।

ग्राम पंचायत कार्यालय की अव्यवस्था पर जताई नाराजगी

ग्राम पंचायत मानिकपुर के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने पंचायत सचिव श्री अंकित पड़वार से निर्माणाधीन कार्यों की जानकारी ली और समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई, पेयजल और विद्युत व्यवस्था की समीक्षा के साथ कार्यालय की अव्यवस्थित स्थिति को गंभीरता से लेते हुए जनपद सीईओ को जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। लापरवाही पाए जाने पर संबंधित कर्मचारियों पर कार्यवाही के संकेत दिए।

शैक्षणिक स्तर पर विशेष ध्यान देने के निर्देश

खम्हार खुदरा के आंगनवाड़ी केंद्र में बच्चों से संवाद कर कलेक्टर ने उनकी शिक्षा की स्थिति को परखा और कार्यकर्ता को बच्चों के शैक्षणिक विकास और स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने को कहा। इस निरीक्षण दौरे में वनमंडलाधिकारी पुनीत सोनकर, एसडीएम करंजिया, तहसीलदार, जिला शिक्षा अधिकारी, महिला एवं बाल विकास अधिकारी, कृषि, पीएचई, विद्युत विभाग एवं जनसंपर्क विभाग के अधिकारी सहित अन्य विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

कलेक्टर नेहा मारव्या और डीएफओ ने की वनवासियों से सीधी बातचीत

वनग्रामों में चौपाल लगाकर वनाधिकार पत्रों का वितरण समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश

डिंडौरी (करंजिया)।

जिले के करंजिया विकासखंड के विभिन्न वनग्रामों में शनिवार को जिला प्रशासन एवं वन विभाग द्वारा संयुक्त रूप से चौपालों का आयोजन किया गया। इस दौरान पात्र हितग्राहियों को वनाधिकार पत्र प्रदान करने एवं ग्रामीणों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए शिविर आयोजित किए गए। कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या और वनमंडलाधिकारी श्रीपुनीत सोनकर ने वनग्राम खम्हार खुदरा, उधौर झिरिया बेहरा और पाण्डपुर के सामुदायिक भवनों में ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। चौपाल के दौरान बैगा समुदाय की वरिष्ठ महिलाओं ने पारंपरिक रूप से फूल-माला पहनाकर अतिथियों का स्वागत किया।कार्यक्रम के दौरान कुल 65 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से प्रारंभिक परीक्षण में 37 हितग्राही पात्र पाए गए। इन आवेदनों की ग्राम स्तरीय समिति, पटवारी, बीटगार्ड एवं सचिव द्वारा नियमानुसार जांच कर वनाधिकार पत्र जारी किए जाएंगे। चौपाल के दौरान ग्रामीणों ने बरसात के मौसम में बिजली, पानी और सड़क मार्ग की समस्याएं भी साझा कीं। इस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को तुरंत निराकरण के निर्देश दिए। ग्राम पाण्डपुर से लीम्हादादर, गांगवाई, चकरार से ठाठपथरा तक के संपर्क मार्ग को पीएमजीएसवाई योजना अंतर्गत शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश भी दिए गए। साथ ही, जनपद सीईओ को घाट कटिंग कार्य शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश मिला।

वनग्राम उधौर में भी चौपाल लगाकर ग्रामीणों से संवाद किया गया, जहां वनाधिकार पत्र हेतु कुल 85 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि एक सप्ताह के भीतर पात्र हितग्राहियों को लाभ मिले और कोई भी पात्र व्यक्ति योजना से वंचित न रहे। लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई।चौपाल में एसडीएम रामबाबू देवांगन, तहसीलदार सैलेष, सीईओ जनपद पंचायत करंजिया एम.एल. धुर्वे, एसडीओ वन सुरेंद्र जाटव, रेंजर स्टाफ, पटवारी व ग्राम पंचायत के कर्मचारी उपस्थित रहे।

एक पेड़ मां के नाम अभियान व "नवांकुर सखी" हरियाली यात्रा कार्यक्रम की बैठक हुई संपन्न

अमरपुर। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड अमरपुर के नवांकुर, मेंटर्स की संयुक्त मासिक समीक्षा बैठक मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद कार्यालय अमरपुर में शनिवार को 11 बजे से आयोजित हुई बैठक में जिला समन्वयक धमेंद्र चौहान द्वारा आगामी कार्य योजना अंतर्गत "नवांकुर सखी" हरियाली यात्रा कार्यक्रम की योजना व पंजीयन, एक पेड़ मां के नाम अभियान, नर्सरी संचालन, जनसूचना केंद्र, वाचनालय, संस्कार केंद्र, नवीन प्रस्फुटन समिति गठन /खाता संचालन व MSW/BSW नवीन छात्र पंजीयन का विषय विस्तार से रखा गया। अंत में जिला समन्वयक धर्मेंद्र चौहान ने जन अभियान परिषद कार्यालय परिसर में वृक्षा रोपण कर बैठक का समापन किया गया। बैठक समापन के पश्चात नर्सरी डेवलपमेंट हेतु एक-एक हजार बेल के बीज विकासखंड समन्वयक द्वारा सभी नवांकुर संस्थाओं को वितरित की गई। इस बैठक में जिला समन्वयक धर्मेन्द्र चौहान विकासखंड समन्वयक अमर लाल धुर्वे, नवांकुर संस्था से अरविंद यादव, धोबी सिंह परस्ते, गणेश केवर्थ, राकेश मरावी मेंटर्स मनोज कुमार तंतुवाय, लाल सिंह ठाकुर, तिलक सैयाम, अशोक यादव आदि मौजूद रहे।

खेत में पानी भरने पर महिला से मारपीट

डिंडौरी। कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम छांटा मे खेत में पानी भरने की बात पर महिला के साथ मारपीट की गई है। फरियादिया सिलोचना बाई पति सूरज ठाकुर उम्र 35 साल ने रिपोर्ट दर्ज करायी कि बुधवार की रात करीबन 10 बजे मेरे घर के सामने सुन्दर सिंह ठाकुर, मोहवती ठाकुर आकर खेत मे बरसात का पानी जाने की बात को लेकर मुझे गाली गलौज देने लगे। मैने गाली देने से मना की तो दोनो ने मिलकर मेरे साथ मारपीट की। उसी समय मेरा पति सूरज ठाकुर आया तो उसके साथ भी धक्का मुक्की की है। मौके पर पडोस के लोगों ने आकर बीच बचाव किया। सुन्दरसिंह ठाकुर और मोहवती ठाकुर ने दोबारा मेरे खेत मे बरसात का पानी आया तो जान से खत्म कर देगे, साथ ही जिन्दा जला देने की धमकी देकर वहा से अपने घर चले गये। मारपीट से मुझे दर्द हो रहा है। रात्री होने एवं साधन नही होने से दूसरे दिन रिपोर्ट करने आई हूं। रिपोर्ट पर आरोपियों के विरुद्ध बीएनएस की धारा 296, 115(2), 351(2), 3(5) का अपराध कायम कर विवेचना मे लिया गया।

शासकीय सेवक पर पुस्तैनी जमीन में अतिक्रमण करने का आरोप पीड़ित ग्रामवासियों ने कलेक्टर कार्यालय में दिया आवेदन

डिंडौरी। जनपद पंचायत समनापुर अंतर्गत ग्राम मानिकपुर में ग्रामीण की पुस्तैनी जमीन पर शासकीय सेवक द्वारा अतिक्रमण करने का आरोप लगाते हुए पीड़ितों ने कलेक्टर कार्यालय में आवेदन दिया है। आवेदन में विष्णु यादव पिता कोल्हा यादव, कुंवर सेन यादव पिता कोल्हा यादव, अभिषेक यादव पिता बिरजू यादव ने लेख किया कि गांव में हमारा पुस्तैनी मकान और पट्टे की भूमि है जिसमें कई वर्षों से हमारा कब्जा है। खसरा नंबर 259 के भूखंड क्रमांक 112 में अतिक्रमणकर्ता रामविशाल पिता कामता झारिया द्वारा कालम खड़ा कर अतिक्रमण किया गया है। रामविशाल झारिया भारतीय डाक सेवा का शासकीय सेवक है। शासकीय सेवक द्वारा किए गए अतिक्रमण को हटवाने के लिए ग्रामीणों द्वारा पंचनामा बनाकर पेश किया गया था जो प्रकरण नायब तहसीलदार के यहां विचाराधीन है। अतिक्रमणकर्ता रामविशाल झारिया का मकान दूसरे मोहल्ले मे स्थित है, और अतिक्रमण दूसरे मोहल्ले के खसरे की जमीन में किया गया है। ऐसी स्थिति में आवेदकों को प्राप्त आबादी के पट्टे की भूमि पर स्वीकृत प्रधानमंत्री आवास निर्माण का कार्य प्रभावित है। आवेदकों ने मांग की है कि मामले की जांच कराकर उचित कार्यवाही की जाए।

मवेशी चराने की बात को लेकर युवक के साथ की गई मारपीट

डिंडौरी। कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम राई बराटोला में भर्रा में मवेशी चराने की बात को लेकर एक युवक के साथ मारपीट की गई है। फरियादी जगदीश कुलस्ते पिता भगत सिंह कुलस्ते उम्र 20 वर्ष ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि शुक्रवार को मैं अपनी मवेशी चराने के लिये अपने खेत ले गया था। मेरे साथ योगेन्द्र यादव भी था। शाम करीब 5 बजे अपने मवेशी लेकर वापस आ रहे थे। तभी हरि लाल उर्फ बौरा तेकाम के खेत के पास पहुंचने पर हरि लाल उर्फ बौरा तेकाम आया और कहा कि मेरे खेत में मवेशी क्यों चराते हो। इसके बाद मेरे साथ मारपीट करने लगा। इसके बाद हरि लाल की पत्नी और लडका भी पहुंच गये और सभी लोग मिलकर मारपीट करने लगे। मेरे साथ मवेषी चराने गये साथी ने बीच बचाव किया है। मारपीट के बाद सभी ने दोबारा खेत में मवेशी चराने पर जान से मारने की धमकी दी है। रिपोर्ट पर आरोपियों के विरुद्ध बीएनएस की धारा 296, 115(2), 351 (2),3(5) का प्रकरण कायम कर विवेचना में लिया गया।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, रविवार 20 जुलाई 2025

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

अज्ञात कारणों से युवक की मौत

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस अज्ञात कारणों से युवक की मौत हो गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार लकी पिता लक्ष्मण कतिया उम्र 34 वर्ष निवासी वायपास रोड शांति नगर नकटुआ थाना स्टेशन गंज की अज्ञात कारणों से मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग पंचानामा तैयार शव का परीक्षण कराकर परिजनों को सौंप दिया।

करंट लगने से महिला की मौत

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस घर पर काम रही महिला को करंट लग जाने से मौत हो गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आशा नेमा पति राकेश नेमा उम्र 35 वर्ष निवासी मेंख थाना ठेमी अपने घर पर काम कर रही थी तभी करंट लगने से घायल हो गई। जिसे उपचार हेतु परिजनों द्वारा जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर डॉक्टरों द्वारा परीक्षण के दौरान मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग पंचानामा तैयार कर शव का परीक्षण कराकर परिजनों को सौंप दिया।

अलग - अलग स्थानों पर दो व्यक्तियों ने खाया जहर

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस जिला चिकित्सालय उपचार हेतु लाए गए दो लोगों द्वारा जहरीली वस्तु का सेवन किया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार कैलाश पटेल पिता नेतराम पटेल उम्र 45 वर्ष निवासी डोंगरगांव थाना स्टेशनगंज द्वारा अपने ही घर पर जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया गया। वहीं दूसरी घटना मे अखिलेश पिता हुकुम मेहरा उम्र 35 वर्ष निवासी बासनपानी तल्लैया थाना ठेमी द्वारा अपने घर पर जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया। परिजनों द्वारा दोनो को उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर उपचार जारी है।

जिले में 627 मिमी वर्षा दर्ज

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस अधीक्षक भू- अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में एक जून से 19 जुलाई तक की अवधि में औसत रूप से कुल 627 मिमी अर्थात 24.68 इंच वर्षा दर्ज की गई है। 19 जुलाई की सुबह तक बीते 24 घंटे में जिले में औसतन 0.6 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। इस दिन तहसील गोटेगांव में 3 मिमी वर्षा आंकी गई है और तहसील नरसिंहपुर, गाडरवारा, करेली व तेंदूखेड़ा में शून्य वर्षा दर्ज हुई है। 19 जुलाई तक तहसील नरसिंहपुर में 647 मिमी, गाडरवारा में 703, गोटेगांव में 583 मिमी, करेली में 566 मिमी और तेंदूखेड़ा में 636 मिमी वर्षा आंकी गई है। इसी अवधि में पिछले वर्ष जिले में औसतन 211.40 मिमी अर्थात 8.32 इंच वर्षा हुई थी। इस अवधि में पिछले वर्ष तहसील नरसिंहपुर में 182 मिमी, गाडरवारा में 259 मिमी, गोटेगांव में 269 मिमी, करेली में 137 और तेन्दूखेड़ा में 210 मिमी वर्षा हुई थी।

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी से विभाष जैन ने की भेंट

हरिभूमि न्यूज - गोटेगांव। विगत दिवस स्थानीय वरिष्ठ समाजसेवी कांग्रेस नेता अनूपपुर जिला प्रभारी चै. विभाष जैन ने मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय भोपाल पहुंचकर प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी एवं पूर्व मंत्री सुखदेव पांसे कांग्रेस संगठन उपाध्यक्ष से सौजन्य भेंट कर जिला अनूपपुर में कांग्रेस संगठन की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी प्रदेशाध्यक्ष को देने के उपरांत अनूपपुर क्षेत्र में कांग्रेस जिलाध्यक्ष के लिए कार्यकर्ताओं की राय एवं अन्य जानकारियां से अवगत कराने के साथ ही उन्होंने अनूपपुर में कांग्रेस जिलाध्यक्ष के लिए जुझारू कर्मठ, कांग्रेस कार्यकर्ताओं में लोकप्रिय कुछ नामों की जानकारी प्रदेशाध्यक्ष को दी, इस दौरान संगठन उपाध्यक्ष सुखदेव पांसे ने चै. विभाष जैन से अनूपपुर में कांग्रेस संगठन के संबंध में बातचीत कर संगठन संबंधी कुछ महत्वपूर्ण जानकारी दी।

आत्मचिंतन ही बनाता है परमात्मा

ज्ञान की लौ जलती है तब धर्म का प्रकाश फैलता है: शंकराचार्य

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले प्रसिद्ध धार्मिक स्थल परमहंसी गंगा आश्रम झोतेश्वर आयोजित चातुर्मास महापर्व के सातवें दिन जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती जी महाराज द्वारा श्रद्धालुजनों को जीवन उपयोगी धार्मिक उपदेश दिए। महाराज श्री द्वारा आध्यात्मिक आकाश का साक्षात्कार कराया गया। जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती जी महाराज ने प्रातः मुण्डकोपनिषद् और संध्या वेला में वाल्मीकि रामायण पर अपना अमृतमयी प्रवचन देते हुए धर्म व सत्य का वर्णन किया गया। उन्होंने कहा ब्रह्मविद्या कोई कर्मकांड नहीं, यह आत्मा के वास्तविक स्वरूप को जानने की एक आंतरिक यात्रा है, महाराजश्री ने आत्मा, प्राण, और परम पुरुष की व्याख्या करते हुए बताया कि कैसे श्रद्धा, तप, ब्रह्मचर्य, और गुरुभक्ति ब्रह्मज्ञान की ओर ले जाने वाले आवश्यक सोपान हैं।

आत्मा का अनुभव ही बनाता है परमात्मा

आत्मा का अनुभव शब्दों से नहीं, संघर्ष से नहीं, केवल ज्ञान और समाधि से होता है। उन्होंने श्रोताओं को आह्वान करते हुए कहा कि जो भीतर की ओर यात्रा नहीं करता, वह हजार यात्राओं में भी परमात्मा तक नहीं पहुंच सकता। आगे कहा सुनहु शारद भगति करि करनी। राम कृपा बिनु सुलभ न बरनी। शंकराचार्य जी ने बताया कि बिना राम कृपा के ज्ञान, भक्ति और वैराग्य केवल दिखावा रह जाते हैं। महाराजश्री ने बताया कि श्रीराम का वनगमन त्याग नहीं था, धर्म की प्रतिष्ठा के लिए एक राजपुत्र का संकल्प था। भरत मिलाप यह केवल भ्रातृप्रेम नहीं, यह मर्यादा और सेवा का चरम शिखर है। हनुमान जी की कथा पूज्य महाराज श्री ने बताया कि हनुमान केवल रामदूत नहीं, वे स्वयं धर्म की मूर्तिमान अभिव्यक्ति हैं।उन्होंने कहा हनुमान वह शक्ति है जो भक्त में आत्मबल भर देती है, और दुर्गम से दुर्गम कार्य को संभव बना देती है।

रामायण पाठ से मिलता है मोक्ष

सनकादि ऋषियों द्वारा वाल्मीकि रामायण के महत्व का बोध कथा में सनत कुमार और नारद संवाद के माध्यम से बताया कि जो श्रद्धा और विधिपूर्वक रामायण पाठ करता है, उसे जन्मों का पुण्य और मोक्ष दोनों प्राप्त होते हैं। अनुशासित दिनचर्या और मंच की गरिमा जैसा कि प्रतिदिन होता है, आज भी महाराजश्री ने प्रातःकाल ध्यान-स्नान, पूजन, और उपनिषद् पाठ के बाद दोपहर विश्रांति ली। सायंकालीन प्रवचन के पूर्व उनके निज सचिव ब्रह्मचारी सुबुद्धानंद जी महाराज के मार्गदर्शन में संन्यासीगण व सेवकवृंद ने मंच व्यवस्था को संयोजित किया। मंच पर ब्रह्मलीन स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती जी महाराज की भावमयी छवि की प्रतिमा को फूलों से अलंकृत किया गया।

श्रद्धालुओं उमड़ रही भीड़

देश भर चातुमास कार्यक्रम बड़ी संख्या में पहुंच रहे श्रद्धालु मंत्रमुग्ध, वातावरण पुनः राममय देशभर से आए श्रद्धालु, युवा साधक, एवं संतगण आज की कथा के पश्चात दीर्घ मौन में डूबे रहे। कुछ की आंखों में अश्रु थे, और कुछ के होठों पर रामनाम। निष्कर्ष जहाँ ज्ञान, भक्ति और संन्यास एकत्र हों, वहीं पर चातुर्मास का वास्तविक स्वरूप प्रकट होता है। सप्ताह के सातवें दिन तक यह चातुर्मास एक पवित्र तीर्थ बन चुका है जहाँ श्रद्धा तप बन गई है, कथा साधना बन गई है, और प्रवचन ब्रह्मवाणी बन गए हैं। इस अवसर पर देश-विदेश सहित संपूर्ण क्षेत्र के श्रद्धालुजनों ने महाराज श्री के आशीर्वाद बचन सुनकर धर्म लाभ उठे रहे है।

इनर व्हील क्लब द्वारा किया गया पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस इनर व्हील के द्वारा पर्यापरण को हरा भरा बनाए रखने हेतु पौधरोपण किया गया। वृक्ष ही जीवन है वृक्ष के बिना मानव जीवन की कल्पना करना व्यर्थ है इस कड़ी को आगे बढ़ाते हुए इनर व्हील क्लब द्वारा मुख्य नगर पालिका नीलम चैहान की उपस्थिति में वृक्षारोपण किया गया। पौधरोपण में क्लब की अध्यक्ष श्रीमती भारती ठाकुर , सीमा स्थापक, ज्योत्सना राय, रजनी राजोरिया, रानू अवधिया, प्रतिभा राय, रेनू जायसवाल, डिंपल जाट, नेहा नेमा, ज्योति सोनी, रश्मि सलूजा, रिंकी राय, ज्योति नेमा, आकांक्षा साहू, विंध्य तिवारी , सोनाली राय व प्रियंका साहू सभी क्लब मेंबर उपस्थित रहे।

77 हजार से अधिक क्विंटल की मूंग का हुआ उपार्जन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। राज्य शासन किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा जारी उपार्जन नीति के निर्देशानुसार भारत सरकार की प्राइस सपोर्ट स्कीम के अंतर्गत वर्ष 2025 (विपणन वर्ष 2025-26) में जिले में समर्थन मूल्य पर ग्रीष्मकालीन मूंग एवं उड़द उपार्जन का कार्य जारी निर्देशों का पालन करते हुए 08 अगस्त 2025 तक की अवधि तक किया जाना है। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग नरसिंहपुर ने बताया कि जिले में अब तक 3 हजार 189 किसानों द्वारा 77 हजार 87 क्विंटल मूंग का उपार्जन का कार्य किया गया है, जबकि 28 हजार 825 किसानों ने अपने स्लॉट बुक किए हैं। कृषि विभाग ने जिले के किसानों से अपील की है कि वे भारत सरकार की प्राइस सपोर्ट स्कीम के अंतर्गत वर्ष 2025 (विपणन वर्ष 2025-26) में समर्थन मूल्य पर ग्रीष्मकालीन मूंग एवं उड़द उपार्जन के लिए अपने पंजीकृत मोबाइल नंबर से स्लॉट बुक कर अपने नजदीकी उपार्जन केन्द्र पर अपनी उपज का विक्रय कर सकते हैं। प्रशासन द्वारा दोपहर 2 बजे स्लॉट ओपन किये जा रहे हैं। किसानों से अपील की गई है कि वे निर्धारित समय पर स्टॉल बुक कर न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अपनी उपज का विक्रय कर सकते हैं। जिला उपार्जन समिति द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार वर्ष 2025 में समर्थन मूल्य पर पंजीकृत किसानों से ग्रीष्मकालीन मूंग एवं उड़द उपार्जन कार्य के सुचारू रूप से संचालन के लिए जिले में किसानों की सुविधा को दृष्टिगत रखते गोदाम स्तरीय उपार्जन केन्द्रों का निर्धारण किया गया है। मूंग एवं उड़द खरीदी की गई।

विख्यात होना है तो कुख्यात वाले काम मत करो: प्रबुद्ध सागर जी

हरिभूमि न्यूज - गोटेगांव। विगत दिवस 1008 श्री शांतिनाथ जिनालय के आचार्य विद्यासागर सभागार में उपस्थित श्रावकों को जैन मुनि श्री प्रबुद्ध सागरजी ने संबोधित करते हुए कहा कि सभी व्यक्ति जीवन में अपेक्षा रखते हैं कि उनकी ख्याति हो जाए ,उनका नाम हो जाए । लेकिन व्यक्ति काम तो कुख्यात होने वाले करते हैं, नीचता के काम करते हैं , धर्म हानि वाले काम करते हैं । ऐसे कामों से व्यक्ति विख्यात हो जाएं, उसे शीलता प्राप्त हो जाएं या लाभ हो जाए तो यह कभी भी संभव नहीं हो सकता । यदि आपको ख्याति प्राप्त करनी है, नाम विख्यात करना है। तो फिर जीवन में संयम ,सुचिता, धर्म का पालन करना ही होगा ई गोटेगांव नगर में चातुर्मास के लिए विराजमान जैन मुनि 108 श्री प्रबुद्ध सागरजी महाराज ने अपने धर्म प्रवचनों में कहीं। विदित हो कि गोटेगांव नगर में मुनि श्री 108 प्रबुद्ध सागरजी महाराज एवं मुनि श्री 108 निर्दोष सागरजी महाराज का मंगलमयी चातुर्मास हो रहा है। नगर के 1008 श्री शांतिनाथ जिनालय

के आचार्य विद्यासागर सभागार में उपस्थित श्रावकों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मनुष्य को जीवन में कभी भी किसी भी प्रकार का मद नहीं करना चाहिए। कुल, जाति, तपस्या, ज्ञान ,रूप ,सिद्धि, जैसे 8 मद को कभी नहीं करना चाहिए। बल्कि श्रावकों को सदैव अपना दायित्व निभाते हुए अपने कर्तव्यों को पूरा करना चाहिए। व्यक्ति का वीतरागी को दान देने से ही परलोक सुधर जाता है और रागी को दान देने से उसका परलोक बिगड़ जाता है। मुनि श्री प्रबुद्ध सागर जी महाराज ने कहा कि जो व्यक्ति निरंतर गतिशील है वही धर्म के मर्मज्ञ को समझ सकता है धर्ममय मनुष्य की ही जिज्ञासा बढ़ती है और ऐसा ही व्यक्ति अपने प्रश्नों के माध्यम से धर्म को समझने में आगे बढ़ सकता है। जैनियों को कभी भी मिथ्यात्व में नहीं पढ़ना चाहिए ।केवल वीतरागिता को ही मानकर नमन करना चाहिए। इस बात का सदैव ध्यान रखना कि वीतरागी को दान देने से परलोक सुधर जाता है , और रागी को दान देने से परलोक बिगड़ जाता है। प्रवचनों के दौरान बड़ी संख्या में श्रावक श्राविकाओं एवं बच्चों की उपस्थिति सराहनीय रही।

जैन मुनि प्रमाण सागरजी से नगरागमन का किया आग्रह

हरिभूमि न्यूज - गोटेगांव। नगर के वरिष्ठ समाजसेवी चैधरी विभाष जैन ने भोपाल में चातुर्मास के लिए विराजमान परम पूज्य मुनि श्री 108 प्रमाण सागरजी महाराज संसघ के दर्शन कर चरण वंदन करते हुए पुण्य लाभ अर्जित किया। चैधरी विभाष जैन ने मुनि श्री प्रमाण सागर जी से वर्ष 1995 में गोटेगांव नगर में हुए मुनिश्री के चातुर्मास के मंगल संस्मरण पर चर्चा की। साथ ही उन्होंने नगर जैन सामुदाय की ओर से मुनिश्री प्रमाण सागरजी से संसघ गोटेगांव नगर पधारने के लिए विनय की। उन्होंने मुनिश्री से कहा कि आपके चातुर्मास के दौरान प्रतिदिन सुबह 5रू00 बजे श्रावकों के लिए जो धर्म शिविर लगता था। उसी धर्म शिविर का ही यह परिणाम है कि आज गोटेगांव नगर से अनेक भैयाजी मुनि अवस्था को धारण कर जैन धर्म की प्रभावना कर रहे हैं और अनेक भाई ब्रह्मचारी अवस्था में जैन धर्म पंथ पर आगे बढ़ते हुए मुनि अवस्था प्राप्त करने के लिए प्रयासरत हैं। इसके साथ ही चैधरी विभाष जैन, पंडित राजू जैन एवं अन्य मित्रों ने गोटेगांव निवासी क्षुल्लक मुनि मुद्रा धारण करने वाले 105 मुनि श्री चिन्मय सागरजी महाराज के भी दर्शन कर चरण वंदना की। मुनिश्री चिन्मय सागरजी महाराज ने गोटेगांव समाज को आशीर्वाद देते हुए इसी तरह धर्म प्रभावना करते रहने का मंगलकारी आशीर्वाद दिया।

शंकराचार्यजी से परिवहन मंत्री एवं पूर्व सांसद ने आशीर्वाद लिया

गोटेगांव। समीप धार्मिक स्थल परमहंसी गंगा आश्रम झोतेश्वर में आयोजित चातुर्मास व्रतअनुष्ठान में द्वारका शारदा पीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी श्री सदानंद सरस्वती जी महाराज श्री जी के आयोजित चातुर्मास के दौरान मध्य प्रदेश शासन के परिवहन एवं शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह एवं पूर्व सांसद कैलाश सोनी ने आयोजित चातुर्मास में परमहंसी पहुंचकर पूज्य महाराज जी के दर्शन कर उनका आशीर्वाद लिया साथ ही इस दौरान ब्रह्मचारी अचलानंदजी विधायक महेंद्र नागेश एवं स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं शंकराचार्य नेत्रालय के निदेशक उमेश तिवारी अन्नू भैया सत्यप्रकाश टिंकू अग्रवाल सोहन तिवारी राकेश शर्मा विशेष रूप से उपस्थित थे।

स्वच्छता पर ध्यान दिया नहीं रैंकिंग को लेकर हो रही तू-तू मैं-मैं

मनीष सोनी, करेली। किसी भी नगर को स्वच्छ बनाने की एक निरंतर प्रक्रिया है तब जाकर ही एक नगर या बड़ा शहर स्वच्छता में सर्वोच्च बनता है हाल ही के दिनों में समूचे देश में मध्य प्रदेश का इंदौर शहर ने आठवीं बार लगातार सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया है और इसके साथ ही हर नगर कस्बे की भी रैंकिंग जारी की गई जिस मैं नरसिंहपुर जिले को निचली पायदान पर ढूंढा जा सकता है यह रैंकिंग जारी होते ही नगर पालिकाओं के मुखिया एक नंबर कम एक नंबर ज्यादा पर एक दूसरे को ही नीचे दिखाने की जुगत में लगे हुए हैं और अपने खराब प्रदर्शन को भी अच्छा बताकर अपनी ही पीठ खुद थपथपा रहे हैं ऐसा ही हल करेली नगर पालिका का भी है जहां बीते सालों में नगर की स्वच्छता का स्तर दिन प्रतिदिन नीचे ही चला जाता रहा है और स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 के परिणाम में करेली नगरपालिका की प्रदेश में रैंकिंग 115 वें स्थान पर आई है, जो कि पिछले साल की तुलना में एक पायदान नीचे गिर गई है। इससे पहले वर्ष 2022 में करेली नगरपालिका प्रदेश की टॉप 5 में शामिल थी, जिसके बाद से लगातार गिरावट जारी है। यहां नगर सरकार में बैठे मुखिया इसे भी अपनी योग्यता मान रहे हैं विगत तीन से चार वर्षो में नगर की स्वच्छता सबसे निचले स्तर पर है इसके बावजूद नगर सरकार में बैठे प्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी कर्मचारी भी स्वच्छता का दाम सिर्फ कागजों पर ही भर रहे हैं यथार्थ में अगर देखा जाए तो नगर की स्वच्छता गर्त की ओर है जबकि करेली नगर पालिका परिषद में विपक्ष है ही नहीं इसके बावजूद यहां की भाजपा मय ट्रिपल इंजन की नगर सरकार स्वच्छता जैसे कार्यों को करने में लगातार विफल हो रही है अगर नगर सरकार के विरुद्ध कोई आवाज उठाता है तो उसे नगर अध्यक्ष के परिजन अपना विरोधी मानकर उसे पर बदले की भावना से व्यवहार करने लगते हैं यही वजह है कि भाजपा के कुछ पार्षद भी नगर अध्यक्ष के कार्यों से संतुष्ट रहते हैं परंतु वह खुलकर विरोध प्रकट नहीं कर पाते हैं क्योंकि जब से भाजपा ने कांपते हाथों में नगर की कमान सौंप है तब से लेकर अब तक उन कांपते हाथों को उनके परिजन ने थाम रखा है और मनमाने तरीके से नगर सरकार को चला रहे हैं यही वजह है कि नगर की स्वच्छता व्यवस्था लगातार लचर होती जा रही है और इस ओर नहीं नगर सरकार के जनप्रतिनिधि और मुख्य नगर पालिका अधिकारी के साथ उनके कर्मचारी भी नाम मात्र के लिए ही स्वच्छता का दिखावा करने में जुटे हुए हैं इस परिणाम के साथ ही नगरपालिका करेली द्वारा किये सफाई के दावे भी हवा-हवाई साबित हो गए हैं। वही नकली फोटो सेशन और झूठी सोशल मीडिया पोस्ट भी इस मामले में फ्लॉप साबित हुई हैं। जबकि नपा ने जमीनी हकीकत से उलट सिर्फ दिखावे बाजी में ध्यान केंद्रित कर रखा था। जिससे प्रदेश के नम्बर वन होना तो दूर की बात टॉप 100 में भी जगह नही बना पाये है .नगरपालिका करेली ने 2024 परिणाम में ओडीएफ डबल प्लस और 1 स्टार रैंक में पिछले वर्षों के मुकाबले इस बार भी बरकरार रखने जरूर कामयाबी हासिल की है। वही नेशनल रैंक में 78 पायदान पर आकर अपनी नाक जरूर बचा ली है। इससे पहले नेशनल रेंक के लिये वर्ष 2019 में 587, वर्ष 2020 में 174, वर्ष 2021 में 66, वर्ष 2022 में 27, वर्ष 2023 में 227 और वर्ष 2024 में 78 वे पायदान हासिल किया है। वही पिछले वर्ष की तुलना में इस बार जनसंख्या की 6 अलग अलग केटेगरी बनाई गई थी।जागरूक लोगो का कहना है कि प्रदेश स्तर की स्वच्छता रैंक में आई इस गिरावट के पीछे लापरवाह अधिकारी और उदासीन परिषद की मुख्य भूमिका रही है। नपा द्वारा इस साल भी लाखों रुपयों स्वच्छता के नाम पर होली खेल ली है। डस्टबिन तो खरीदे लेकिन गलियों तक नही पहुचाये। जिसके चलते कचरा पृथक्करण में 42 प्रतिशत अंक ही मिले है जबकि देवरी ट्रंचिंग ग्राउंड पर बीते 3 साल से पृथक्करण के लिये सभी व्यवस्थाओं उपलब्ध है।सर्वेक्षण के पूर्व से लेकर अभी तक नगरपालिका को खबरों के माध्यम से आईना दिखाया जाता रहा है लेकिन नपा के जिम्मेदार स्वच्छता सर्वेक्षण के प्रति लापरवाह के साथ साथ बेफिक्र भी रहे जिसका खामियाजा खराब परिणाम के रूप में भुगतना पड़ा है।स्वच्छता एक ऐसी निरंतर प्रक्रिया है जिसमें हर एक व्यक्ति को सहभागी बनना पड़ता है नगर को स्वच्छ बनाने के लिए चुनी हुई जनता की सरकार को सबसे पहले कदम उठाना पड़ता है अगर नगर सरकार में बैठे मुखिया ही स्वस्थ रहेंगे तो इसका असर भी आम जनता पर सीधा पड़ेगा अगर नगर सरकार अपने विजन को लेकर स्पष्ट और कर्तव्य निष्ठ रहती है तो नगर वासी भी नगर सरकार से कंधे से कंधा मिलाकर साथ चलते हैं परंतु ऐसा होता करेली नगर

में अब तक दिखाई नहीं पड़ रहा है क्योंकि नगर के मुखिया बने बैठे लोगों को सिर्फ इस शहर को क्रांक्रीट का शहर बनाने में ज्यादा लाभ दिखता है हर वर्ष इसी नगर पालिका में आम जनता की गाढी कमाई को स्वच्छता मिशन के नाम पर खर्च तो कर लिया जाता है परंतु धरातल पर स्वच्छता कतई नहीं दिखती और हाल ही में जारी हुई रैंकिंग को लेकर भी नगर पालिका के कुछ प्रतिनिधि और अध्यक्ष के परिजन अपने आप को एक स्वच्छ शहर के नागरिक बताने में लगे हुए हैं अगर स्वच्छता नगर में वाकई होती तो क्या किसी को यह सबूत देना पड़ता कि हम स्वच्छता के किस स्तर पर है।